# समाज के हर सदस्य का पोषण ही विकास : संजीव

**परिचर्चा**

**सिटी रिपोर्टर, रायपुर •** आईआईएम रायपुर में "हरित अर्थव्यवस्था- गांवों द्वारा छत्तीसगढ़ के हरित आर्थिक संक्रमण का नेतृत्व'' थीम पर इंडिया रूरल कोलोकी के पांचवें संस्करण का आयोजन किया गया। इंस्टीट्यूट के प्रभारी निदेशक प्रो. संजीव पराशर ने कहा कि वास्तविक विकास तब होता है जब समाज के हर सदस्य का पोषण हो। ग्रामीण बदलाव को समझने और अपनाने के लिए सहानुभूति, सहभागिता और समावेशी रणनीति जरूरी है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की प्रमुख सचिव निहारिका बारिक ने कहा कि हरित अर्थव्यवस्था का बदलाव केवल तकनीक पर नहीं, बल्कि स्थानीय समाधान, सामुदायिक भागीदारी और सशक्तिकरण पर आधारित होना चाहिए।

Dainik Bhaskar(City Bhaskar, P. 04)7th August 2025